''रवीन्द्रनाथ टैगोर के शिक्षा दर्शन का वर्त्तमान समय में उपयोगिता''

ANJU KUMARI

Research Scholar I.E.S. University, Bhopal (M.P.)

सारांश

आधुनिकता के इस दौर में तकनीकी शिक्षा एवं प्रयोगात्मक शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी वर्त्तमान शिक्षा पद्धति के अनुसार कुछ तथ्यों, सिद्धान्तों एवं प्रयोगों को ही वास्तविक शिक्षा समझने लगे हैं। जीवन के सामाजिक जरूरतों की पूर्ति करने में वे जीवन के मूल को नजरअंदाज करते जा रहे हैं, जिसके फलस्वरूप भाारीरिक, मानसिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक पक्ष दुर्बल होते जा रहे है। शिक्षा का सम्प्रत्यय यह है कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। एक पक्ष के अभाव में दुसरे पक्ष को सबल नहीं बनाया जा सकता है। शिक्षा जीवन को फ र्ा से अ र्ा तक पहूँचाने का कार्य करती है। शिक्षा उस ज्योति या लौ के समान है, जो रो ानी फैलाती हैं।

मुख्यशब्दः रवीन्द्रनाथ टैगोरए शिक्षा दर्शनए तकनीकी शिक्षाए आधुनिकता।